आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :496 पृष्ठ -4 दिनांक 05 जून 2025 दिन शुक्रवार

यूपी के जंगलों को योगी सरकार दे रही नई जान, वैज्ञानिक तरीकों से किया जा रहा पेड़ों का संरक्षण

उत्तर प्रदेश के जंगलों की हरियाली को बचाने और बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वन विभाग ने जबरदस्त काम किया है. अब जंगलों में पेड़–पौधे और वन्यजीवों की रक्षा वैज्ञानिक तरीकों से की जा रही है. प्रदेश के सभी 79 वन प्रभागों में दस साल की कार्ययोजना लागू है. इनमें से गोरखपुर, खीरी और बिजनौर की योजनाएं इस साल 30 सितंबर को पूरी हो जाएंगी. पीलीभीत की योजना 2026 तक चलेगी. इन योजनाओं को केंद्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है.वन विभाग ने आक्रामक विदेशी पौधों, जैसे लैंटाना और प्रोसोफिस को हटाने के लिए भी वैज्ञानिक तरीके अपनाए हैं. ये पौधे जंगल की असली वनस्पति को खत्म कर देते हैं और वन्यजीवों के लिए खतरा बनते हैं. इन्हें हटाने के लिए खास तरह के शोध और योजना बनाई गई है. इससे जंगल की असली हरियाली फिर से लौटेगी. साथ ही जंगलों में लगने वाली आग को रोकने के लिए भी आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है. इससे आगजनी की घटनाएं कम होंगी और जंगल महफूज रहेंगे.बरेली, लखनऊ, झांसी और कानपुर में टिशू कल्चर तकनीक से पेड़–पौधों की नई पौध तैयार की जा रही है. ये पौधे ज्यादा मजबूत और ज्यादा फायदेमंद होंगे. इससे प्रदेश की हरियाली को नई ताकत मिलेगी. इसके अलावा राष्ट्रीय बांस मिशन के तहत अच्छी क्वा. लिटी की बांस की पौध भी तैयार हो रही है. यह बांस न सिर्फ पर्यावरण के लिए फायदेमंद होगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार भी देगा.उत्तर प्रदेश के वन विभाग ने बताया कि नई कार्य योजनाओं का मसा. ˆदा भी बनकर तैयार है. जैसे ही केंद्र सरकार से मंजूरी मिलेगी, काम शुरू कर दिया जाएगा. इससे जंगलों की सुरक्षा और पेड़ों की सेहत और अच्छी होगी. यूपी के जंगल सिर्फ हरियाली का नहीं, बल्कि हजारों लोगों की रोजी–रोटी का जरिया भी हैं.मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में पर्यावरण और जंगलों के विकास को एक नई दिशा दी है. ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट), प्राकृतिक खेती और वन्यजीव संरक्षण जैसी योजनाएं भी इस काम को मजबूत कर रही हैं. वन विभाग का मानना है कि ये योजनाएं न सिर्फ प्रदेश की हरियाली को बढ़ाएंगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण देंगी.वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन योजनाओं से नदियों और जमीन की सेहत भी सुधरेगी. साथ ही जैव विविधता में इजाफा होगा. इस तरह के कामों से प्रदेश का हर इलाका हरा–भरा होगा और लोग साफ–सुथरी हवा में सांस ले सकेंगे. सरकार का सपना है कि यूपी को सिर्फ उद्योग और विकास का नहीं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी नंबर वन बनाया जाए.

वाह मेरठ यूनिवर्सिटी वाह! 70 नंबर के पेपर में दिए 78 और 100 में 102! अब एक्शन की मांग

मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविधालय ने नया कारनामा कर दिया. कारनामा भी ऐसा सीसीएसयू की खूब जग हंसाई हो रही है. 100 नंबर की परीक्षा में 102 नंबर दे दिए गए. इस बात को सुनकर आप चौंक जाएंगे, लेकिन ये सच है. सीसीएसयू ने जो रिजल्ट जारी किया है उसमें एक दो नहीं न जाने कितने ऐसे छात्र छात्राएं हैं जिनको इतने नंबर दे दिए गए कि जो आ ही नहीं सकते. इस गड़बड़ी ने छात्रों की नींद उड़ा डाली है और वो सीसीएसयू के चक्कर काट रहें हैं. होम साइंस की कई छात्राओं की इस अनोखे रिजल्ट से नींद उड़ गई थी.सीसीएसयू किसी न किसी बात को लेकर सवालों के घेरे में रहती है. इस बार जो मामला प्रकाश में आया है उसने तो हद ही कर डाली है. सीसीएसयू कैंपस की एमए होमसाइंस की परीक्षा ने तो गड़बड़ी के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं. एम होम साइंस की स्टूडेंट रहतनुमा को 100 नंबर की परीक्षा में 102 नंबर दे दिए गए. होम साइंस प्रैक्टिल फूड साइंस विषय में एक्सटर्नल में छात्रा रहतनुमा को 70 में से 78 और इंटर्नल में 30 में से 24 अंक दे दिए गए.यानी परीक्षा मात्र 100 नंबर की थी, लेकिन छात्रा के 102 नंबर आ गए. ऐसा ही कुछ एमए होमसाइंस की छात्रा छवि के साथ हुआ है. होम साइंस प्रैक्टिकल फूड साइंस की 100 नंबर की परीक्षा में 103 अंक दे दिए गए. एक्सटर्नल में छात्रा छवि को 70 में से 79 मार्क्स और इंटर्नल में 30 में से 24 मार्क्स दे दिए गए. ये दो मामले ही नहीं बल्कि न जाने होमसाइंस की कितनी ऐसी छात्राएं हैं जिनके रिजल्द में ये गड़बड़ी की गई है. सीसीएसयू की लापरवाही की खबर को छात्र नेता शान मौहम्मद ने प्रमुखता से उठाया और कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला से इस मामले की शिकायत की. उन्होंने रिजल्ट जारी करने वाली कमेटी और मार्कशीट जारी करने वाली कंपनी के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है. छात्र नेता शान मौहम्मद का कहना है कि होम साइंस की छात्राओं को जो रिजल्ट जारी किया गया उसमें गड़बड़ियों के अंबार हैं. क्या ऐसा संभव है कि 100 नंबर की परीक्षा में 102 या 103 नंबर आ जाएं. ये छात्राओं के साथ मजाक है और इस प्रकरण ने सीसीएसयू की छवि पर भी असर डाला है. येसीसीएसयू प्रशासन बोला–100 अंक वाला फॉर्मेट भे. जने से हुई थी दिक्कत, संशोधित मार्कशीट कर दी है जारी. सीसीएसयू में होम साइंस की कई छात्राओं के रिजल्ट में हुई गड़बड़ी पर हमने सीसीएसयू के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर भूपेन्द्र राणा से बात की तो उन्होंने बताया कि मूल्यांकन करने वाले परीक्षक के पास 100 अंकों वाला फॉर्मेट भेज दिया गया था जिसकी वजह से दिक्कत हुई. जो त्रुटि हुई थी उसे दूर करा दिया गया है और संशोधित मार्कशीट अपलोड कर दी गई है.

पत्नी का गला रेत कर हत्या कर दी है जाकर लाश उठा लो...गोरखपुर में सनसनीखेज वारदात

यूपी के गोरखपुर में सनसनीखेज वारदात से लोगों के रोंगटे खड़े हो गए हैं. एक शख्स पत्नी की गला रेतकर हत्या करने के बाद थाने पहुंचा और थानेदार से कहा कि पत्नी की घर में गला रेतकर हत्या कर दी है, घर जाकर लाश उठा लो. उसकी बात सुनकर पुलिसवालों के होश उड़ गए. आनन–फानन में जब पुलिस और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची, तो कमरे में आरोपी की पत्नी की लाश बेड पर पड़ी थी. कमरे के फर्श पर खून बिखरा पड़ा था. युवक ने 2 साल पहले घर के सामने रहने वाली युवती से लव मैरिज की थी. अफेयर के शक में उसने पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी. हत्या करने के बाद वो एक घण्टे तक लाश के पास बैठा रहा. उसके बाद थाने पर जाकर सरेंडर कर दिया.गोरखपुर के सहजनवा थानाक्षेत्र के पिपरा वार्ड नम्बर–2 में बुधवार की सुबह सब कुछ सामान्य नहीं था. वहां किराए पर रहने वाले बाहिलपार गांव के रहने वाले अंगद शर्मा ने पत्नी नेहा की बेहरमी से गला रेतकर हत्या कर दी. इसके बाद वो एक घंटे तक लाश के पास बैठा रहा. इसके बाद वो सहजनवा थाने पहुंचा और उसने थानेदार और पुलिसवालों को बताया कि उसने पत्नी नेहा शर्मा की गला रेतकर हत्या कर दी है. जब उसने कहा कि घर में लाश पड़ी है जाकर लाश उठा लो. आनन–फानन में पुलिस उसे लेकर उसके घर पहुंची. वहां नेहा की लाश बेड पर खून से लथपथ पड़ी थी. पुलिस ने गहन जांच की और फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए. इसके बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी ने 2 साल पहले नेहा से लव मैरिज की थी. अफेयर के शक में उसने वारदात को अंजाम दिया है. हिरासत में लिया गया आरोपी पति अंगद शर्मा कर्नाटक में कारपेंटर (बढ़ई) का काम करता है. उसने दो साल पहले नेहा से लव मैरिज की. नेहा का घर अंगद के घर के सामने है. दोनों की जाति अलग–अलग होने के कारण परिवार वाले इस शादी के खिलाफ रहे हैं. यही वजह है कि दोनों ने मंदिर में जाकर शादी कर ली. शादी के बाद अंगद पत्नी नेहा को लेकर कर्नाटक चला गया. कुछ दिन बाद वापस गांव लेकर आया था. नेहा को सहजनवा में किराए पर कमरा दिलवाया, लेकिन नेहा की गीडा क्षेत्र में रहने वाली बड़ी बहन के घर चली गई. वहां पर एक वाहन एजेंसी में काम करने लगी.दो महीने पहले अंगद लौटकर आया, तो उसने पत्नी को किसी से मोबाइल पर किसी से बात करते देखा. इस पर उसने पूछा– किससे बात कर रही हो. नेहा ने बताया कि कंपनी के प्रोजेक्ट के बारे में बात कर रही है. इस बात पर आए दिन दोनों झगड़ा होने लगा. अंगद ने नेहा से 3 जून को रात में भी लड़ाई की. इसके बाद दोनों सो गए. सुबह उठकर उसने नेहा के सिर पर वार किया. इसके बाद गला रेत दिया. एक घंटे लाश के पास बैठा रहा. इसके बाद खुद ही थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया.मृतका नेहा की बहन सुशीला ने बताया कि उसकी बहन नेहा ने अंगद शर्मा से 2 साल पहले लव मैरिज की थी. उन्होंने बताया कि अंगद शर्मा ने उनकी बहन की धारदार हथियार से गला रेट कर हत्या कर दी और उसके बाद थाने पर पहुंचकर सरेंडर कर दिया. सुशीला ने कहा कि उसकी बहन की हत्या करने वाले आरोपी अंगद को फांसी की सजा दी जानी चाहिए.इस संबंध में गोरखपुर के एसपी नॉर्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आज सुबह मर्डर की सूचना मिली. एक युवक द्वारा पिपरा वार्ड नंबर 2 में पत्नी की गला रेतकर हत्या कर हत्या कर दी गई थी. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल की है और साक्ष्य संकलन किया है. लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है. आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है.

लड़की के चक्कर में हुई बीजेपी नेता की हत्या? अजहर मलिक का नाम भी आया सामने

देहरादून में भाजपा नेता रोहित नेगी की गोली मारकर हत्या कर दी गई इसको लेकर क्षेत्र में आक्रोश है. हत्या की वजह एक लड़की बताई जा रही है फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है, बता दें रोहित को घर से बुलाकर गोली मारी गई है.प्रेमनगर पुलिस को सूचना मिली थी कि मांडूवाला के पीपल चौक पर एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है. घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने रोहित को मालूम हुआ कि घायल रोहित को उसके दोस्त अस्पताल ले गए है पुलिस जब वहां पहुंची तो मालूम हुआ कि उसको डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है.दे. हरादून के प्रेमनगर के मांडूवाला में सेलाकुई के तिल्वाड़ी के रहने वाले खनन व्यवसाय और स्टोन क्रशर मालिक रोहित नेगी की सोमवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई हत्या का आरोप उत्तरप्रदेश मुजफ्फरनगर के रहने वाले अजहर मलिक पर लगा है.बता दें कि हत्या की वजह एक युवती को लेकर चल रहा विवाद बताया जा रहा है,मृतक भारतीय जनता युवा मोर्चा से जुड़ा था और पूर्व में मंडल अध्यक्ष रह चुका है.एसपी सिटी प्रमोद कुमार ने एबीपी को बताया कि मंगलवार तड़के प्रेमनगर पुलिस को सूचना मिली थी कि मांडूवाला के पीपल चौक पर एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है. पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल को उसके साथी ग्राफिक ऐरा अस्पताल ले गए हैं.पुलिस अस्पताल पहुंची तो मालूम हुआ कि घायल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान रोहित नेगी के रूप में हुई. नेगी के दोस्तों ने पुलिस को बताया कि रोहित नेगी के साथ पांच–छह दोस्त पार्टी कर रहे थे. इनमें एक युवती भी शामिल थी.युवती रोहित नेगी के दोस्त की मित्र है. इसी बीच युवती के फोन पर अजहर मलिक का फोन आया. वह उससे झगड़ा करने लगी. रोहित नेगी ने दोनों की बातें सुनी तो पता चला कि अजहर युवती को गंदी गंदी गालियां दे रहा था इस पर नेगी को भी गुस्सा आया और वह भी अजहर के साथ झगड़ने लगा. जैसे तैसे सभी ने एक दूसरे को समझा बुझाकर शांत किया, कुछ देर बाद सभी वहां से रोहित नेगी की कार में अपने अपने घर की ओर चल दिए, यहां पहले से ही अजहर अपने एक दोस्त के साथ मोटरसाइकिल पर खड़ा हुआ था, और उनका इंतेजार कर रहा था,रोहित ने जैसे ही कार रोकी तो अजहर ने कार के सामने शीशे से सटाकर गोली मार दी. यह गोली रोहित के गले में जाकर लगी. एसपी सिटी ने बताया कि मामले में रोहित नेगी के दोस्त अभिषेक की शिकायत पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. आरोपियों की तलाश में कई जिलों में दबिश दी जा रही है जल्द ही आरोपों सलाखों के पीछे होने.वही इस घटना से इलाके में काफी आक्रोश देखा जा रहा है पुलिस इस घटना को लेकर सभी एंगल पर जांच कर रही है.

बकरीद से पहले यूपी में हापुड़ में मीट फैक्ट्री पर छापा, डीएम, एसपी ने किया निरीक्षण

बकरीद के त्यौहार को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार एक्शन मोड में हैं. जिले के सभी अफसरों को निर्देश दिये गये हैं कि प्रदेश में किसी भी सूरत में त्यौहार की आड़ में प्रतिबंधित पशुओं की बलि न दी जाए और न ही अराजकता फैल पाए. इसी को लेकर जनपद हापुड़ के डीएम और एसपी निर्देशों का पालन करने के लिए फील्ड में उतर गए हैं.हापुड़ के डीएम अभिषेक पाण्डेय और एसपी ज्ञानंजय सिंह ने मय प्रशासनिक और पुलिस टीम के साथ रामपुर रोड स्थित रेबन फूड प्राईवेट लिमिटेड मीट फैक्ट्री पर छापेमारी की. यहां स्लाटर हाउस का अधिकारियों ने गहनता से निरीक्षण किया. मीट फैक्ट्री में मानकों की धज्जियां तो नहीं उड़ाई जा रहीं, इसकी भी जांच–पड़ताल की. फैक्ट्री के संचालक सिराज कुरैशी को मानकों के अनुसार ही कार्य करने के निद. ˆश दिये गये. डीएम अभिषेक पाण्डेय ने कहा कि बकरीद के त्यौहार की आड़ में प्रतिबंधित पशुओं की बलि किसी भी सूरत में नहीं होने दी जाएगी. डीएम ने बताया कि हालांकि यहां फैक्ट्री में मानकों का पालन किया जा रहा है, लेकिन फैक्ट्री के आसपास बिना मानकों और अवैध स्लॉटर हाउसों को नहीं चलने दिया जाएगा. ऐसे स्लॉटर हाउसों के खिलाफ प्रशासन के द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी. डीएम अभिषेक पाण्डेय ने बताया कि त्यौहार पर अराजकता फैलाने वाले गुंडा तत्व के लोगों को भी चिन्हित करने के निर्देश दिये गये हैं. शहर में पशुओं के अवशेष का निस्तारण कराने के निर्देश दिये गये हैं. त्यौहार के समय साफ–सफाई का पूरी तरह से ध्यान रखा जाएगा. कोई भी कुर्बानी खुले में नहीं होने दी जाएगी. निरीक्षण के दौरान एसपी ज्ञानंजय सिंह, सीओ सिटी जितेन्द्र शर्मा, एसडीएम इला प्रकाश के साथ–साथ पशु विभाग और पॉल्यूशन विभाग की भी टीमें मौजूद रहीं.

पारिवारिक कलह बना खौफनाक वारदात का कारण, आगरा में दोहरी हत्या से हड़कंप

आगरा में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी और हटा का आरोप लगा है. मामला ईदारत नगर थाना क्षेत्र का है. पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है. और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटना के पीछे पारिवारिक कलह बताई जा रही है.जानकारी के मुताबिक आगरा के थाना ईदारतनगर के व्रथला गांव में घर के अंदर मां बेटी के अचेत पड़े होने की खबर मिली. सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई और जब घर के अंदर जाकर देखा मां–बेटी घायल अवस्था में पड़ी हुई थी. जिसके बाद पुलिस ने दोनों को अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया.पति–पत्नी में होता था झगड़ादरअसल कृष्णकांत अपने परिवार के साथ रहता था और सुबह से घर से फरार है. शुरुआती जांच में सामने आया कि आरोपी पति आज ही कहीं चला गया है. पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि पति–पत्नी में आए–दिन झगड़ा होता था. जिस कारण आज ये बड़ी घटना घट गयी.पति की तलाश तेजएसीपी शमशाबाद गिरीश कुमार ने बताया कि थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि घर के अंदर एक महिला और उसकी बेटी अचेत पड़े हैं. जिसके बाद पुलिस ने उन्हें अपस्ताल भेजा जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया. मौके पर पति नहीं मिला है. महिला के चेहरे पर गंभीर चोट के निशान थे और बच्ची के मुंह से झाग निकल रहा था. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. हर एंगल पर जांच पड़ताल की जा रही है. अभी पति की तलाश की जा रही है.पूछताछ जारी उधर गांव में इस घटना से हर कोई हैरान है, किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा कि कोई क्यों अपनी पत्नी और बेटी को इस तरह मारेगा. पुलिस पड़ोसियों और परिजनों से भी पूछताछ कर रही है.

हाथरस में किसानों का चकबंदी को लेकर विरोध कलेक्ट्रेट में पहुंचकर किया विरोध प्रदर्शन, डीएम से की मुलाकात

हाथरस के गांव बसई बावस में चकबंदी प्रक्रिया का विरोध तेज हो गया है। बुधवार को सैकड़ों किसानों ने राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज धवरैय्या के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी से मुलाकात की।किसानों का कहना है कि वे अपने मौजूदा चकों से संतुष्ट हैं। उन्हें गांव में चकबंदी की कोई आवश्यकता नहीं है। किसानों का आरोप है कि उन पर जबरन चकबंदी थोपी जा रही है। इस दौरान कुछ किसानों की अधिकारियों से नोंक–झोंक भी हुई।कलेक्ट्रेट में किसानों की काफी देर तक जिलाधिकारी राहुल पांडेय से बातचीत हुई। जिलाधिकारी ने पंकज धवरैय्या को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। किसानों का कहना था कि उन पर चक. बंदी जबरन थोपी ना जाए।किसानों ने जमकर की नारेबाजी विरोध प्रदर्शन के दौरान किसानों ने जमकर नारेबाजी की। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। इस मौके पर संगठन के नगर अध्यक्ष संदीप तिवारी, नगर उपाध्यक्ष कप्तान बघेल, जिला उपाध्यक्ष गौरव उपाध्याय, जिला मंत्री अर्जुन प्रजा. पति सहित सैकड़ों किसान मौजूद थे।

हाथरस में घर में घुसकर लाखों की चोरीरूडेढ़ लाख की नकदी और लाखों के जेवरात ले गए बदमाश, पुलिस जांच में जुटी

हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र के गांव प्रताप में एक बीमार व्यक्ति के घर से चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। प्रमोद कुमार श्रोती के घर से चोर डेढ़ लाख रुपए की नकदी और लाखों रुपए के जेवरात लेकर फरार हो गए।घटना उस समय हुई जब गर्मी की वजह से परिवार के सभी सदस्य छत पर सो रहे थे। चोरों ने इस मौके का फायदा उठाया। वे दरवाजे के ऊपरी हिस्से से घर में घुस गए। प्रमोद कुमार पहले एक घी की फैक्ट्री में काम करते थे।वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे हैं। सुबह जब परिवार के सदस्य नीचे उतरे तो उन्होंने घर का सामान बिखरा हुआ पाया। अलमारी भी खुली हुई थी। उनकी पत्नी सीमा ने बताया कि बदमाश डेढ़ लाख रुपए की नकदी और लाखों रुपए के जेवरात चोरी कर ले गए हैं।पुलिस कर रही मामले की जांच पड़ताल सूचना मिलते ही हाथरस गेट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। एसओजी टीम भी वहां आ गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वकीलों और दस्तावेज लेखकों ने तहसील के गेट पर लगाए ताले, नारेबाजी कर प्रदर्शन

हाथरस में रजिस्ट्री प्रक्रिया के निजीकरण के विरोध में वकील और दस्तावेज लेखक आंदोलन कर रहे हैं। तहसील सदर कार्यालय में वकीलों और दस्तावेज लेखकों का धरना जारी है। आंदोलनकारियों ने तहसील सदर के गेट पर ताले लगा दिए और नारेबाजी की।रेवेन्यू बार एसोसिएशन और दस्तावेज लेखक एसोसिएशन समेत कई संगठन इस धरना प्रदर्शन में शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने तहसील के गेट पर ताले लगाकर कार्यालयों को बंद करा दिया है। वकीलों ने कहा कि यह आंदोलन लगातार जारी रहेगा। जब तक यह अध्यादेश वापस नहीं होगा आंदोलन जारी रहेगा और कोई भी कार्य नहीं होने दिया जाएगा।यह रहे मुख्य रूप से मौजूद... प्रदर्शन में सुदर्शन शर्मा, शशांक पचौरी, राकेश शर्मा, अवधेश कुमार शर्मा, प्रमोद

कुमार गोस्वामी, जमुना प्रसाद शर्मा, योगेन्द्र सिंह पौरूष, मदनमोहन गौड़, अमित उपाध्याय, विजेन्द्र सिंह कातिब, रघुवीर सिंह राना कातिब, बसन्त लाल, आदित्य कुलश्रेष्ठ और बाबू सिंह समेत काफी लोग मौजूद थे। इस हड़ताल और धरना प्रदर्शन की वजह से लोगों के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं।

सादाबाद में विकास कार्यों की मांग पर अड़े लोग, एसडीएम के आश्वासन पर माने

हाथरस के सादाबाद तहसील के गांव बास. वित्ता में विकास कार्यों की मांग को लेकर चल रही भूख हड़ताल मंगलवार देर रात समाप्त हो गई। एसडीएम संजय कुमार के आश्वासन पर ग्रामीणों ने 64 घंटे बाद हड़ताल खत्म की।ग्रामीणों ने 23 मई को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा था। इसमें बासवित्ता से गुतहरा संपर्क मार्ग का डाम. रीकरण, करकौली आश्रम से गांव तक सड़क मरम्मत, टूटी आरसीसी सड़क का पुनर्निर्माण, श्मशान के लिए रास्ता, पेयजल व्यवस्था, गांव से सिकरा और बागपुर मार्ग की मांग की थी।31 मई तक कोई कार्रवाई न होने पर 1 जून सुबह 9 बजे से ग्रामीणों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। तीसरे दिन गर्मी के कारण कुछ हड़तालियों की तबीयत बिगड़ने लगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने दवा लेने से मना कर दिया।एसडीएम, बीडीओ अनुज मिश्रा, एडीओ पंचायत अनिल उपाध्याय और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी हड़ताल स्थल पर पहुंचे।गांव में बिजली के तारों की मरम्मत और बासवित्ता–गुतहरा संपर्क मार्ग का काम शुरू होने के बाद एसडीएम और कोतवाली प्रभारी ललित कुमार शर्मा ने अन्य कामों को जल्द शुरू करने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने हड़ताल समाप्त की। एसडीएम ने सभी को जूस पिलाकर हड़ताल का समापन कराया।

ट्रक ने कार को मारी भीषण टक्कर, हादसे में शादी से लौट रहे दो लोगों की मौत, नौ घायल

अलीगढ़ में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां एक ट्रक ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में शादी से लौट रहे दो लोगों की मौत हो गई, हादसे में नौ लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस जांच में जुटी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार, अलीगढ़ के टप्पल थाना इलाके में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। यह दर्दनाक हादसा कुराना गांव के पास हुआ, कार सवार शादी से लौट रहे थे। अर्टिगा कार को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। कार सवार शादी में शामिल होकर दिल्ली वापस जा रहे थे। हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई।बच्चों और गाड़ी चालक सहित नौ लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान दिल्ली के तुगलक लेन, एपीजे अब्दुल कलाम लेन, जेजे कैंप निवासी रामसिंह (45) और गौरव (35) के रूप में हुई है।घायलों की पहचानघायलों में कमलेश (35), रामवती (40), कर्मछित (45), गोविंद (20), विवेक (25), सलोनी (19), सौरव (20) और दो बच्चे कार्तिक (4) और सोनाली (6) शामिल हैं। ये सभी गाजियाबाद की राजीव कॉलोनी मोहन नगर के निवासी हैं। घायलों को सीएचसी टप्पल में भर्ती कराया गया है।भीषण टक्कर और बचाव का टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अर्टिगा कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे

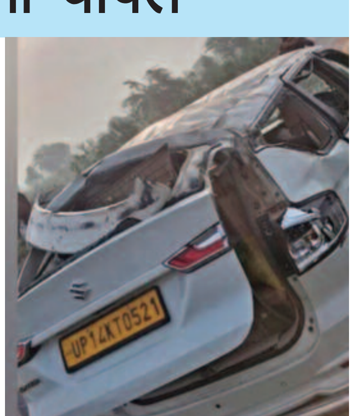

के बाद आसपास के लोगों और पुलिस ने मिलकर बड़ी मुश्किल से गाड़ी में फंसे सभी लोगों को बाहर निकाला।पुलिस की कार्रवाई पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

सार्वजनिक स्थलों पर नमाज और कुर्बानी पर रोकरूबकरीद को लेकर प्रशासन अलर्ट, सोशल मीडिया पर रहेगी नजर

हाथरस में बकरीद को शांतिपूर्वक मनाने के लिए जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा ने महत्वपूर्ण बैठक की। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में मौलवी, मुतवल्ली और अन्य प्रबुद्धजन शामिल हुए। इस बैठक में 7 जून को मनाए जाने वाले बकरीद के पर्व को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।डीएम ने पिछले साल की तरह त्योहार को सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने कोई नई परंपरा न डालने की अपील की। सोशल मीडिया पर कुर्बानी से जुड़े वीडियो या अफवाहें न फैलाने के निद. श दिए गए। इस पर जिला प्रशासन की लगातार नजर रहेगी।केवल मस्जिदों में अदा होगी नमाज... प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश जारी किए। सार्वज. निक स्थलों और सड़कों पर नमाज अदा करने पर रोक लगाई गई है। नमाज केवल मस्जिदों में ही पढ़ी जा सकेगी। खुले में या सार्वजनिक स्थलों पर पशुओं की कुबा. नी पर भी प्रतिबंध रहेगा।प्रशासन ने प्रति. बंधित पशुओं की कुर्बानी पर पूर्ण रोक लगाई है। कुर्बानी के बाद खून और अवशेषों के उचित निपटान के निर्देश दिए गए हैं। नमाज स्थलों के आसपास आवारा जानवरों के विचरण को रोकने की व्यवस्था की जाएगी।सफाई और विद्युत आपूर्ति को लेकर दिए निर्देश.. सभी निकाय क्षेत्रों और ग्राम पंचायतों में साफ–सफाई, बिजली और पानी की विशेष व्यवस्था की जाएगी। सूअर पालकों को नोटिस जारी किया गया है कि वे अपने जानवरों को बाहर न छोड़ें। एसडीएम, सीओ और थानाध्यक्षों को सभी तैयारियां पहले से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में अपर जिला अधिकारी, सभी उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी और अन्य अधिकारियों के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

सादाबाद में प्रशासन की टीम पहुंची, व्यापारी ताला लगाकर फरार

सादाबाद में नायब तहसीलदार अशोक कुमार के नेतृत्व में आज अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने छभ्–509 पर नापतौल कर अवैध अतिक्रमण को चिन्हित किया और हटाया। तीन दिन पहले एसडीएम संजय कुमार ने नगर पंचायत कर्मियों और पुलिस बल के साथ बस स्टैंड के सामने की सड़क से अतिक्रमण हटाया था।पुलिस बल की टीम पहुंचीइससे पहले अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी गई थी। आज आगरा–अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी, नगर पंचायत कर्मी और पुलिस बल की टीम पहुंची। टीम को देखते ही खोखा लगाने वाले व्यापारी ताला लगाकर फरार हो गए।प्रशासन ने इन खोखों पर अतिरिक्त ताला लगा दिया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द खोखे नहीं हटाए गए तो उन्हें नगर पंचायत में जमा कर दिया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और जाम की स्थिति बनती है। कार्रवाई के दौरान राजस्व टीम, हाईवे अथॉरिटी और पुलिस बल मौजूद रहा। इस दौरान कानूनगो देवी शरण शर्मा और बृजेश कौशिक भी उपस्थित थे।

जिला अस्पताल में 5 दिन के लिए अल्ट्रासाउंड बंद एकमात्र रेडियोलॉजिस्ट जिले से बाहर, सैकड़ों मरीज परेशान

हाथरस जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। अस्पताल में तैनात एकमात्र रेडियोलॉजिस्ट डॉ. संतोष कुमार गुप्ता कोर्ट एविडेंस और अन्य कार्यों के लिए जिले से बाहर चले गए हैं। डॉ. गुप्ता पहले भी अवकाश और सरकारी कार्य के कारण जिले से बाहर थे। इस दौरान सैकड़ों मरीजों के अल्ट्रासाउंड नहीं हो पाए।तीन दिन पहले उन्होंने ड्यूटी संभाली और अल्ट्रासाउंड सेवाएं शुरू की। अब वे पुनः 5 दिनों के लिए जिले से बाहर हैं। जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सेवाएं अगले सोमवार से शुरू होंगी। आज सुबह से काफी मरीज अल्ट्रासाउंड के लिए पहुंचे। अल्ट्रासाउंड रूम पर ताला और डॉक्टर की अनुपस्थिति की सूचना देखकर उन्हें वापस लौटना पड़ा।घंटों अस्पताल में भटके मरीज.... मरीज अल्ट्रासाउंड के लिए घंटे अस्पताल में भटकते रहे। कुछ मरीजों ने बताया कि वे कल भी अल्ट्रासाउंड के लिए आए थे। उन्हें देर होने का हवाला देकर आज आने को कहा गया। लेकिन आज आने पर पता चला कि सेवाएं सा. मवार तक बंद रहेंगी। एक रेडियोलॉजिस्ट पर निर्भरता से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अंग्रेजी में आया बीएएलएलबी का पेपर, परीक्षा निरस्त

राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) अलीगढ़ की बीएएलएलबी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा का तृतीय प्रश्नपत्र अंग्रेजी भाषा में भेज दिया गया। इसे देख हिंदी माध्यम से परीक्षा देने वाले परीक्षार्थी हैरान हो गए। उन्होंने हंगामा करना शुरू कर दिया। विवि ने परीक्षा को निरस्त कर दिया है। अब यह परीक्षा 18 जून को कराई जाएगी। पेपर तैयार करने वाले शिक्षक से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। फाउंडेशन ऑफ सोशियोलॉजी थॉट (समाजशास्त्र विचार का निधिकरण) विषय की यह परीक्षा 3 जून को डीएस कॉलेज अलीगढ़, पीसी बागला कॉलेज हाथरस और जवाहर लाल नेहरू डिग्री कॉलेज एटा में आयोजित की गई। करीब 1310 परीक्षार्थी इसमें शामिल होने के लिए पहुंचे। प्रश्नपत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषा में दिया जाना था, लेकिन परीक्षार्थियों के पास अंग्रेजी भाषा में प्रश्नपत्र पहुंचा। डीएस कॉलेज अलीगढ़ में पहले छात्रों को बताया कि दूसरा सेट आ रहा है, दूसरा सेट नहीं पहुंचा तो छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया। यहां पर डीएस कॉलेज के अलावा विवेक. ानंद कॉलेज के बीएएलएलबी द्वितीय सेमे. स्टर के छात्रों का भी परीक्षा केंद्र बनाया गया था। 3 जून सुबह आठ बजे दोनों कॉलेजों के करीब 350 छात्र परीक्षा देने पहुंचे। डीएस कॉलेज के विधि विभाग के अध्यक्ष प्रो. हरीश शर्मा ने बताया कि परीक्षा निरस्त होने से परीक्षार्थियों को परेशानी हुई है। एमए हिंदी द्वितीय सेमेस्टर में 3 जूनको अस्मिता मूलक विमर्श नामक विषय की परीक्षा थी। इसके प्रश्नपत्र में भी भाषा विज्ञान के प्रश्न मिले, जबकि भाषा विज्ञान की परीक्षा पहले ही हो चुकी है। हाथरस में छात्रों ने इसका विरोध किया, अलीगढ़ में कुछ छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी। हाथरस में परीक्षार्थियों ने विरोध किया और परीक्षा को निरस्त कराने की मांग की। पीसी बागला कॉलेज में इस विषय के 180 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे थे। अलीगढ़ में भी डीएस कॉलेज, एसवी कॉलेज, टीकाराम कन्या महाविद्यालय सहित अन्य महाविद्यालयों में यह परीक्षा थी। प्रश्नपत्र के ऊपर शीर्षक अस्मितामूलक विमर्श छपा था, जबकि छपे प्रश्न भाषा विज्ञान के थे। डीएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. मुकेश भारद्वाज ने बताया कि परीक्षार्थियों ने दोबारा परीक्षा कराने के लिए प्रत्यावेदन दिया है। उन्होंने बताया कि परीक्षा उस दशा में ही निरस्त हो सकती है, जब 70 फीसदी प्रश्न पाठ्यक्रम से बाहर के

हों।पेपर तैयार करने वाले शिक्षकों से जवाब तलब किया जाएगा। परीक्षा निरस्त कर दी गई है। अब 18 जून को पहली पाली में परीक्षा होगी। –धीरेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक, आरएमपीयू, अलीगढ़ बीएएलएलबी द्वितीय सेमेस्टर तृतीय प्रश्न पत्र की परीक्षा निरस्त कर दी गई है। एमए हिंदी में पाठ्यक्रम से बाहर के प्रश्न आने की शिकायत आई थी। उसका परीक्षण कराया जाएगा, उसके बाद विवि निर्णय लेगा। फिलहाल एमए हिंदी की परीक्षा निरस्त नहीं हुई।

30 साल के अवैध कब्जे से आजाद हुआ नगर निगम का सरकारी भवन-नगर आयुक्त के सख्त रुख से खाली हुआ आवास

30 साल के लंबे इंतजार बाद खाली हुआ लाल डिग्गी आवास–अवैध कब्जाधारक गय्यूर अहमद की मनमानी का हुआ अंतलाल डिग्गी स्थित नगर आयुक्त आवास के पीछे बने नगर निगम सरकारी आवास पर पिछले 30 वर्षों से अवैध कब्जा जमाए हुए तत्कालीन अवर अभियंता गय्यूर अहमद से नगर निगम ने सरकारी क्वार्टर खाली करा लिया है और नगर निगम ने अपनी संपत्ति का बोर्ड व ताला भी लगा दिया है।नगर निगम में अवर अभियंता के पद पर रहे गय्यूर अहमद ने हट्टधर्मी दिखाते हुए लगभग 30 वर्षों से गलत तथ्यों को दिखाकर न्यायालय को गुमराह करते हुए नगर निगम के सरकारी आवास पर अपना कब्जा जमा हुए रखा। कई नगर आयुक्तों ने नोटिस की कार्रवाई करके इस सरकारी भवन को खाली कराने का प्रयास भी किया लेकिन गय्यूर अहमद माननीय उच्च न्यायालय की शरण का हवाला देते हुए आवास को खाली नही कर रहा था.नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कार्यभार ग्रहण करते ही इस आवास के संबंध में मूल पत्रावली को तलब किया। नगर आयुक्त ने नगर निगम संपत्ति प्रभारी सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह से माननीय उच्च न्यायालय में रिट याचिका खारिज होने के बाद भी आवास खाली नही होने पर नारा. जगी जताते हुए गय्यूर अहमद को अंतिम नोटिस देते हुए आवास खाली कराये जाने के निर्देश दिए।बुधवार को नगर निगम ने सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह की अगुवाई में एसीएम प्रथम, प्रभारी निरीक्षक थाना सिविल लाइन संपत्ति लिपिक विजय गुप्ता की मौजूदगी में उक्त भवन पर नगर निगम का कब्जा लेने हेतु ताला खुलवाकर वीडियोग्राफी करते हुए नगर निगम संपत्ति का बोर्ड और नगर निगम का ताला लगवाया गया।इस प्रकरण के संबंध में सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह ने बताया कि गय्यूर अहमद नगर निगम में अवर अभियंता के पर पर तैनात था तैनाती के दौरान नगर निगम द्वारा इसको यह आवास आवंटित किया गया सेवानिर्वित होने के उपरांत आज तक गय्यूर अहमद ने सरक. ारी आवास को खाली नहीं किया। गय्यूर अहमद ने शासनादेश के विरुद्ध जाकर सरकारी आवास को नजूल नीति के अन्तर्गत फ्रीहोल्ड कराये जाने के लिए दिए गए प्रार्थना पत्र को दिनांक 10.10.1997 को जिलाधिकारी, अलीगढ़ द्वारा आदेश पत्र सं0–232–234 / नजूल सहायक दिनांक 27.04.2010 के द्वारा निरस्त करते हुए फ्री होल्ड धनराशि को वापिस कर दिया गया।

उन्होंने बताया मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में प्रस्तुत रिट याचिका सं0–26618 / 2008 दिनांक 03 12.2024 खारिज हो जाने तथा उक्त याचिका में पारित स्थगन आदेश दिनांक 03.06.2008 को समाप्त हो जाने के पश्चात् भी गय्यूर अहमद ने नगर निगम के सरकारी आवास पर कब्जा जमाये रखा। रिट याचिका के खारिज होने पर और नगर आयुक्त महोदय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में नगर निगम द्वारा जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के सहयोग से नगर निगम ने कब्जा उक्त भवन पर ले लिया है।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा 30 वर्षों से अवैध कब्जे से नगर निगम के क्वार्टर को अतिक्रमण मुक्त कराए जाने के लिए नगर निगम संपत्ति विभाग जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की टीम बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा इस क्वार्टर के बाद अन्य सरकारी भवनों को भी चिन्हित किया जा रहा है और जल्द कार्रवाई होगी।

नगर निकायों के समग्र विकास के लिए 15वें वित्त आयोग की कार्य योजना पर जिलाधिकारी ने की बैठक

अलीगढ़ जिले के नगर निकायों को सशक्त एवं नागरिक सुविधाओं से सुसज्जित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कलैक्ट्रेट सभागार में 15 वें वित्त आयोग के अंतर्गत विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा एवं भावी योजनाओं पर जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुईबैठक में नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के चेयरमैन, अधिशासी अधिकारीगण, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन एडीएम प्रशासन एवं प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय पंकज कुमार ने कियजिलाधिकारी ने सभी निकायों को स्ष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ निष्पादित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मानकों की अनदेखी पर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।इस अवसर पर बताया गया कि जिले के पांच प्रमुख निकायों में कुल 6,03,00,944 की लागत से बहुआयामी विकास कार्य प्रस्तावित हैं। जट्टारी में 85. 02 लाख (टाइड ग्रांट) व 57.80 लाख (अनटाइड ग्रांट) से सड़क, प्रकाश व्यवस्था व फुटपाथ का निर्माण, इगलास में 90.90 लाख (टाइड) से जलापूर्ति, सीवरेज व अपशिष्ट प्रबंधन और 61.69 लाख (अन. टाइड) से मार्ग, कब्रिस्तान एवं शमशान रखरखाव, विजयगढ़ में 73.95 लाख (टाइड) से स्प्रिंकलर, आरओ प्लांट, समरसेबुल पंप, कुंओं का सौंदर्यीकरण व 35.97 लाख (अनटाइड) से निर्माण व प्रकाश, हरदुआगंज में 78.18 लाख (टाइड) से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व 55.64 लाख (अनटाइड) से विविध विकास कार्य, अत. रौली में 63.80 लाख (टाइड) से निर्माण, विकास एवं जल निकासी संबंधी कार्यजिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि निकायों में स्वच्छ जलापूर्ति हेतु जल जीवन मिशन के अंतर्गत नवीन प्रस्ताव तैयार कराए जाएं। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में खेल मैदानों की पहचान कर उनका समुचित विकास हो, और आवश्यकता होने पर समीपवर्ती ग्रामों को नगर निकाय में सम्मिलित करने हेतु प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि ष्नगरों की परिसंपत्तियां और सार्वजनिक भूमि भविष्य

की पीढ़ियों की अमानत हैं। अतः इनको अतिक्रमण मुक्त कर संरक्षित किया जाना अत्यंत आवश्यक हैडीएम ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देशित किया कि विद्यालयों में कायाकल्प के अंतर्गत सभी 19 पैरामीटर को समयबद्ध तरीके से संतृप्त किया जाए, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण प्राप्त होसके प्रस्ताव आमंत्रित, विकास की गति होगी औ र तीव्रबैठक में आगामी कार्ययोजनाओं के लिए सभी निकायों से त्वरित प्रस्ताव आमंत्रित किए गए, ताकि शहरी विकास की गति को और तीव्र किया जा सके।

आइजीआरएस रैंकिंग में गिरावट पर जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी, विभागीय अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

अलीगढ़ (जन शिकायत निवारण प्रणाली, आइजीआरएस पर जिले की गिरती रैंकिंग को लेकर जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलैक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर गहरी नारा. जगी जताई। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापरक निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है, ऐसे में इसमें लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रमोद कुमार ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक विभाग शिकायतों की स्थिति की नियमित मॉनीटरिंग करे और लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सु. निश्चित करे। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि फीडबैक की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि शिकायतकर्ता संतुष्ट हो। बैठक में ऑनलाइन माध्यम से कार्यालय वार शिकायतों एवं असंतोष जनक निस्तारण एवं फीडबैक के बारे में अधिकारियों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर्स को समझाया गया। मई माह में नगर निगम पर 22, एसडीएम कोल पर 19 एवं एसडीएम इगलास के यहां 9 सन्दर्भ डिफाल्टर पाए गए। इसी प्रकार से जून माह में अब तक 17 डिफाल्टर विभिन्न विभागों में पाए गए।एडीएम ने कहा कि रैंकिंग में सुधार लाने के लिए सभी विभागीय अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी लें और नियमित समीक्षा करें। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला स्तरीय अधिक. ारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन ईडीएम मनोज राजपूत द्वारा किया गया।

आबकारी विभाग के छापेमारी अभियान में हरदुआगंज क्षेत्र में अवैध शराब बरामद

अलीगढ़ उप आबकारी आयुक्त अलीगढ़ प्रभार के निर्देशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–2 वरुण नायक द्वारा बुधवार को मय आबकारी स्टाफ एवं पुलिस बल के साथ थाना हरदुआगंज अंतर्गत ग्राम इब्राहिमाबाद में संयुक्त रूप से दबिश दी गई।दबिश के दौरान 25 अदद जय वीरू ब्रांड के अवैध पौव्वे (200 एम0एल0 धारिता) बरामद किए गए और अवैध रूप से शराब विक्रय करते हुए राकेश कुमार पुत्र राम खिलाड़ी को मौके से गिरफ्तार किया गया। उक्त प्रकरण में थाना हरदुआगंज में धारा 60(1) उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1910 (यथा संशोधित) के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराई गई है।

धूम धाम से निकाली शोभायात्रा,धर्म ध्वज के साथ फहराई राष्ट्र पताका

अलीगढ।परमहंस दयाल जी सेवा संस्थान गौशाला ग्राम कस्तली पला के तत्वावधान में होने वाले श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ कलश यात्रा के साथ हुआ।जिसमें शहर एवं गांव के तमाम गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।इस शोभायात्रा की खास बात यह रही कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के नेतृत्व करने के साथ देश सेवा में लगे सेना के जवानों के उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से तिरंगा यात्रा पूरे देश में चलाई जा रही है इसी क्रम में इस धार्मिक कलश यात्रा में भी तिरंगा को लेकर सैकड़ो भक्तों ने भाग लिया।मंगलवार को प्रातःकालीन बेला में स्वामी पूर्णानंदपुरी महाराज के सानिध्य में कथा व्यास शिवम शास्त्री सहित लगभग सेकड़ो व्यक्तियों ने हाथों में ध्वजा पताका लेकर ढोल नगाड़ो और संकीर्तन के भजनों पर नाचते गाते हुए यात्रा में भाग लिया।वहीं कलश यात्रा का शुभारम्भ स्वामी पूर्णानंदपुरी महाराज एवं करणी सेना के जिलाध्यक्ष धीरू ठाकुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।यात्रा में सम्मिलित सभी भक्तों के लिए ठंडे पेय की उचित व्यवस्था की गयी।नाचते थिरकते भगवान की भक्ति में लीन लोगों हेतु जगह जगह छतों से लोगों ने पुष्प एवं इत्र वर्षा की।स्वामी पूर्णानंदपुरी महाराज ने इस अवसर पर कहा कि सप्त दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का रसपान करने से पूर्व नगर भ्रमण के साथ हरिनाम संकीर्तन आवश्यक है क्योंकि जिस क्षेत्र में कोई शुभ कार्य किया जाता है कलश यात्रा के माध्यम से उसके ग्राम देवता,स्थान देवता, ईष्ट देवता आदि को निमंत्रण दिया जाता है और भगवान की असीम अनुकम्पा से ही धार्मिक आयोजनों में शामिल होने का अवसर मिलता है।उन्होंने कहा कि सभी को अपने जीवन में परोपकार तथा नर सेवा करनी चाहिए और सनातन धर्मियों को मेलजोल के साथ रहना चाहिये।कलश यात्रा के उपरांत कथाव्यास शिवम व्यास ने भागवत कथा के महत्त्व में जानकारी देते हुए कहा कि अमृतमयी श्रीमद भागवत कथा के सुनने मात्र से व्यक्ति का परम कल्याण होता है।कलश यात्रा में गौरव शास्त्री,रवि शास्त्री,बलदेव व्यास,चेतन पंडित,कृष्णा शास्त्री,विनीत शास्त्री,कपिल पंडित,रामगोपाल गिरि,नवीन चौधरी, गिर्राज किशोर भारद्वाज,हरिओम अग्रवाल,अमित अग्रवाल,एसबी.शर्मा, राजेश अग्रवाल,राज. कुमार शर्मा,पूरन चंद्र अग्रवाल,सुभाष चंद्र अग्रवाल,ऋषि मुनिऔर तूलिका अग्रवाल आदि भक्त मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के लिए चलाया जाएगा एक माह का विशेष अभियान

अलीगढ़ आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल संगीता सिंह ने जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक यातायात को निर्देशित किया है कि दुपहिया वाहनों पर तीन या चार सवारियों के बैठने एवं बिना हेलमेट चलने जैसी घटनाएं आम हो गई हैं, जो सड़क यातायात नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इस पर प्रभावी नियंत्रण एवं आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जनपद अलीगढ़ में एक माह का विशेष श्सड़क यातायात सुरक्षा अभियानश संचालित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के अंतर्गत नियमों के उल्लंघन पर प्रवर्तन कीकार्रवाई, चालान, जुर्माना एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान केवल दंडात्मक न होकर शिक्षाप्रद भी

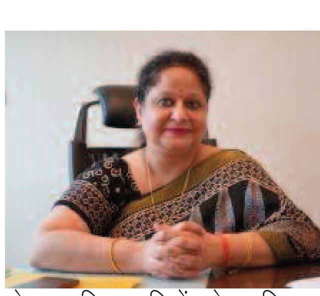

होगा, ताकि नागरिकों को सुरक्षित वाहन संचालन की जानकारी दी जा सके और दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम की जा सके। पुलिस अधीक्षक यातायात को निद. ेशित किया गया है कि अभियान की समा. प्ति के उपरांत की गई सभी प्रवर्तन कार्यवाहियों तथा जुर्माने की विस्तृत आख्या समयबद्ध रूप से प्रस्तुत की जाए। उन्होंने इस अभियान को शीर्ष प्राथमिकता पर लेते हुए समस्त संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

ईदुल अजहा(बकरीद) की तैयारियों का नगर आयुक्त ने लिया जायजा–अधिनस्थों संग ईदगाह पहुंचकर बकरीद की व्यवस्थाओं पर लिया फीडबैक

सनातन धर्मावलम्बियों के एकजुटता का सन्देश देती है शोभायात्रा–स्वामी पूर्णानंदपुरी महाराजपरम कल्याण के लिए आवश्यक है श्रीमद भागवत कथा–शिवम व्यासनगर आयुक्त ने जारी की एडवाइजरी–थाना वाइज बनाये 5 सेक्टर–निगरानी के लिये 32 अधिकारी,480 कर्मियों की तैनात रहेंगी टीम7, 8 व 9 जून को प्रतिबंधित रहेगा खुले में पशुओं का छोड़ना–पशुपालकों को नोटिस देने की कार्यवाहीबकरीद पर मिलेगी अतिरिक्त पानी की सप्लाई–दोपहर 2 बजे से 4 बजे पेयजलापूर्ति–राउण्ड दॉ क्लाक एक्टिव रहेगा नगर निगम कंट्रोल रूम 1533, 7500441344 05712750250अपशिष्ठों को खुले में फेंकना व आवारा पशुओं का विचरण रहेगा प्रतिबंधित–कूड़ेदान व मोबाइल टेम्पो टिपर जगह जगह मूवमेंट पर रहेंगे–कुर्बानी के अपशिष्ठों को सड़क नाले नालियों में न फेंकने की नगर निगम की अपील– ईदुल अजहा(बकरीद) पर पढ़े जाने वाली परंपरागत नमाज और तीन दिनों तक होने वाली कुर्बानी को देखते हुए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने नगर निगम स्तर से परम्परागत सभी इंतिजामो को बेहतरीन तरीके से कराने के लिए पार्षद हारून अहमद मुशर्रफ हुसैन मुजा. हिद रजा मोहिं अहमद शकील रायन स्निफ सैफ हाजी इरफान असगर सैफी व अधीनस्थों के साथ शाहजमाल ईदगाह, खैर रोड, जमालपुर रोड, जीवनगढ़ ईदगाह ऊपरकोट का निरीक्षण किया। शाहजमाल में ईदगाह कमेटी व मुस्लिम समाज के वहाँ मौजूद लोगों को पूर्ण आश्वस्त किया परंपरागत व्यवस्थाओं में कमी से कोई समझौता नही किया जाएगा सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी होगी।नगर आयुक्त ने कहाबकरीद पर परम्परागत की जाने वाली व्यवस्थाओं के लिए नगर निगम के सभी अधिकारियों को मुस्तैद कर दिया गया है नगर निगम का प्रयास 6 जून तक शाहजमाल ईदगाह, जमालपुर ईदगाह, जीवनगढ़ ईदगाह, ऊपरकोट जामा मस्जिद सहित महानगर की सभी धार्मिक स्थलों व मुस्लिम बहुल्य क्षेत्रों में व्यवस्थाओं को पूर्ण कराने का रहेगा।बकरीद पर नगर निगम की सेक्टर व्यवस्थाबकरीद की व्यवस्थाओं के लिये प्रमुख स्थानों पर पढ़े जाने वाली परम्परागत नमाज व तीन दिन तक चलने वाली कुर्बानी को देखते हुये 6 सेक्टर बनाये गये है। सेक्टर –01 शाहजमाल ईदगाह के नोडल अधिकारी वीर सिंह सहायक नगर आयुक्तसेक्टर –02 ऊपरक. ोट जामा मस्जिद क्षेत्र के नोडल अधिकारी अमित कुमार उप नगर आयुक्त सेक्टर –03 जमालपुर ईदगाह क्षेत्र के नोडल अधिकारी विजेंद्र पाल अधिशासी अभियंता उनकी सहयोगी टीम कर अधीक्षक आरके कमल सेक्टर –04 जीवनगढ़ ईदगाह क्षेत्र के नोडल अधिकारी आरपी सिंह कर निर्धारण अधिकारी सेक्टर –05 हाथीपुल व देहली गेट के नोडल अधिकारी डॉ राजेश वर्मा पशु कल्याण अधिकारी सेक्टर –06 प्रशास. निक कैंप की व्यवस्था हेतु वीर सिंह सहायक नगर आयुक्त।इनकी रहेगी जिम्मेदारीप्रभारी महाप्रबंधक(जल) इदुल जुहा के अवसर सम्पूर्ण महानगर की पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करायेगें और परम्परागत रूप से ईदगाह, जामा मस्जिद, थाना देहली गेट, सब्जी मण्डी, हाथी पुल, जमालपुर ईदगाह, जीवनगढ़ ईदगाह आदि क्षेत्रों पर पानी के टेंकर खड़े कराने की व्यवस्था करायेंगे व वर्षा की संभावना को देखते हुये धार्मिक स्थलों के आस–पास पम्प सैट की व्यवस्था मय जनरेटर के किया जाना सुनिश्चित करायेगें। मुख्य अभियंता सुरेश चंद इदुल जुहा के अवसर पर शाहजमाल, जमालपुर, जीवनगढ़ ईदगाह, एवं ऊपकोट जामा मस्जिद, की ओर जाने वाले मार्गों पर यदि कहीं कोई गड्ढे आदि हों तो उसको अनिवार्य रूप से ठीक कराया जाना सुनिश्चित करेगें।नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश कुमार महानगर की सम्पूर्ण सफाई व्यवस्था कुबा. र्नी के अवशेषों को उठवाए जाने के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगें।

पशुवधशाला का आकस्मिक निरीक्षण, मानकों के अनुपालन के लिए दिए गए कड़े निर्देश

अलीगढ़ जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन, अपर जिला मजिस्ट्रेट (नगर) अमित कुमार भट्ट, नगर मजिस्ट्रेट राम शंकर, क्षेत्राधिकारी नगर तृतीय, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 दिवाकर त्रिपाठी, सहायक पर्यावरण अभियंता क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के द्वारा बुधवार को मै0 फिगिरियो कन्सर्वा अल्लाना प्रा0 लिमिटेड तालसपुर खुर्द मथुरा बाई पास रोड थाना देहलीगेट का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।पशुवधशाला के निरीक्षण के समय लैरिज में 784 महिष वंशीय पशु पाये गये, जिनका चिकित्सीय परीक्षण किया जा रहा था, प्रयुक्त समस्त महिष वंशीय पशुओं की उपयुक्तता के आधार पर छटनी का कार्य किया जा रहा था। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अलीगढ़ के अधिकारियों को फैक्ट्री से निकलने वाले घरेलू जलमल एवं औद्यौगिक उत्प्रवाह के शोधन के लिए स्थापित सभी संयंत्रो जैसे एसटीपी एवं ईटीपी का निरंतर संचालन करने एवं मानकों का अनुपालन कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय पशुवधशाला में सभी संयंत्र संचालित पाये गये। विगत माह 30.05.2025 को जिला स्तरीय समिति द्वारा 24 कम्पेडियम की जाँच की गयी थी, जिसके संबंध में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्देशित किया गया कि 24 कम्पेडियम का अनुपालन संबंधित विभागों द्वारा सुनिश्चित कराया जाये। निरीक्षण के समय मौके पर उपस्थित महाप्रबंधक व अन्य संबंधित अधिकारियों को अपेडा द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।

पाकिस्तान की सरकार, सेना और आतंकी संगठनों के गठजोड़ का पर्दाफाश

पाकिस्तानी सरकार, सेना और आतंकियों के गठजोड़ की तस्वीरें लगातार सामने आ रही हैं और भारत के इस दावे की पुष्टि कर रही हैं कि आतंकवाद इस्लामाबाद की राष्ट्रीय नीति का हिस्सा है। ताजा सबूत वह रैली है, जिसमें पाकिस्तान के सबसे बड़े सूबे पंजाब के स्पीकर मलिक अहमद खान ने लश्कर–ए–तैयबा के आतंकियों–सैफुल्लाह कसूरी और तलहा सईद के साथ मंच साझा किया। इससे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर भारत की चिंताओं को दुनिया बेहतर ढंग से समझ सकती है।आतंकियों की रैलीरू सीमा पर टकराव के बाद जिस तरह से पाकिस्तानी सेना की कथित जीत का जश्न मनाने के लिए वैश्विक स्तर पर घोषित आतंकी घूम–घूमकर रैलियां कर रहे हैं, वह इस्लामाबाद के इस झूठ की पोल खोल देता है कि पहलगाम के पीछे उसका हाथ नहीं। खुद को विजेता साबित करने के उतावलेपन में पाकिस्तान ने अपना नकाब हटा दिया है। याद है, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें दिखा कि आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अफसर, हुक्मरान शामिल हुए थे। आतंकी हाफिज अब्दुल रऊफ ने जनाजे की नमाज पढ़ाई थी।ग्लोबल टेररिस्टरू सैफुल्लाह कसूरी पहलगाम का मुख्य साजिशकर्ता है और आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा में उसकी हैसियत डिप्टी चीफ की बताई जाती है। इसी तरह तलहा सईद लश्कर प्रमुख हाफिज सईद का बेटा है। भारत और अमेरिका ने इसे ग्लोबल टेररिस्ट घोषित कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव रखा था, पर चीन ने बचा लिया। वहीं, अमेरिका द्वारा घोषित आतंकी मुजम्मिल हाशमी भी सार्वजनिक रूप से भारत को चुनौती देता नजर आया है। बांग्लादेश में साजिशरू ये आतंकी भारत में अस्थिरता और आतंकवाद फैलाने की कोशिशों का समर्थन ही नहीं कर रहे, बल्कि उन्होंने यह भी स्वीकार किया है कि बांग्लादेश में पिछले साल हुए तख्तापलट में इनका हाथ था। शुरू से यह अंदेशा जताया जा रहा था कि शेख हसीना सरकार के खिलाफ खड़े हुए आंदोलन के पीछे विदेशी ताकतें थीं और अब यह साबित हो रहा है। पाकिस्तान को लगता है कि ढाका में कट्टरपंथियों को मजबूती मिलने से 1971 की उसकी हार का बदला पूरा हो जाएगा।सख्त कारर्वाईरू पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचे भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं। वहां की स्टेट पॉलिसी में आतंकियों के दखल और असर को देखते हुए वैश्विक बिरादरी को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। थ्।ज्थ् की इस महीने होने वाली बैठक में भारत यह मुद्दा उठा सकता है ताकि पाकिस्तान को फिर से ग्रे लिस्ट में डाला जा सके। दूसरे देशों को भी भारत का साथ देना चाहिए क्योंकि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई साझा है।

सूचना

विज्ञापन एवं विज्ञप्ति के लिए सम्पर्क करें

कार्यालयः सरोज नगर गली न. 5, क्वार्सी बाईपास रोड, अलीगढ़

हैल्पलाइन न.

8218049162,9870916612

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने हाल में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा रक्षा सामग्री की आपूर्ति में देरी का मुद्दा उठाया। ऐसे स्वर पहले भी उठते रहे हैं। इस सबके बीच कुछ दिनों पहले 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि आपरेशन सिंदूर की सफलता स्वदेशी हथियारों की क्षमता एवं मेक इन इंडिया तकनीक के महत्व को रेखांकित करती है।रक्षा मंत्री भी रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की व्यापक भूमिका की बात कह चुके हैं। इसमें संदेह नहीं कि 2018 से ही भारतीय रक्षा उत्पादन उद्योग तेजी से बढ़ा है, लेकिन उसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी अपेक्षाकृत सीमित बनी हुई है। यह सही समय है कि इसका दायरा बढ़ाया जाए। अमेरिका आधुनिक सैन्य–औद्योगिक जुगलबंदी का उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐसा मुख्य रूप से निजी क्षेत्र की मेहरबानी से है।एक समय अमेरिका की सामरिक जरूरतों की पूर्ति सरकारी उद्यमों से होती थी। करीब 68 प्रतिशत नौसैनिक जहाज सरकारी यार्ड में बनते थे और प्रमुख रक्षा तकनीक मुख्यतरू ब्रिटेन से आयात होती थी। 19वीं सदी के आखिरी वक्त में निजी कंपनियों के इस क्षेत्र में आगमन ने वहां रक्षा उत्पादन के पूरे समीकरण बदल डाले। इन कंपनियों ने आधुनिक तकनीक में निवेश बढ़ाकर, औद्योगिक लाबी बनाकर रक्षा उत्पादन को नए आयाम दिए। प्रथम विश्व युद्ध के समय जब अमेरिका सैन्य महाशक्ति के रूप में स्थापित हुआ, तब निजी क्षेत्र उसकी रीढ़ बन चुका था।भारत में वाहन निर्माण से लेकर साफ्टवेयर क्षेत्र में उत्तरोत्तर बढ़ती ताकत में निजी क्षेत्र का अहम योगदान रहा है। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उत्पादन उपक्रमों ने भी अपनी विश्वसनीयता अर्जित की है। हाल के वर्षों में उनका प्रदर्शन और बेहतर हुआ है, लेकिन वे मुख्य रूप से लाइसेंस उत्पादन प्रणाली पर काम करते हैं। इस प्रणाली में उत्पादन की मात्रा, उसकी गति एवं सामरिक स्वायत्तता के मोर्चे पर अपनी कुछ सीमाएं हैं।आपरेशन सिंदूर ने इस आवश्यकता को नए सिरे से रेखांकित किया कि भारत के समक्ष उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के निराकरण के लिए एक सक्षम स्वदेशी इनोवेटिव इकोसिस्टम का विकास करना होगा। इनोवेशन फार डिफेंस एक्सीलेंस यानी आइडीईएक्स जैसी पहल ने दर्शाया है कि भारतीय तकनीक वैश्विक मानकों की बराबरी करने और कई मामलों में उनसे इक्कीस साबित हो सकती हैं।

कनाडा में होने वाले जी7 सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी भाग नहीं लेंगे

भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत 2019 से लगातार इस आयोजन का हिस्सा रहा है। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों के दबाव के कारण भारत को आमंत्रित नहीं किया गया।पीएम नरेंद्र मोदी का इस साल कनाडा में होने वाले ळ7 सम्मेलन में भाग नहीं लेना इस वैश्विक मंच के उद्देश्य और इसकी प्रासंगिकता के लिहाज से ठीक नहीं है। भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इकॉनमी है, ग्लोबल ग्रोथ में उसकी एक भूमिका है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी है। इसी वजह से पिछले कुछ वर्षों से उसे अमीर देशों के इस मंच पर जगह मिलती आई थी।टूट गया सिलसिलारू भारत साल 2019 से लगातार इस आयोजन का हिस्सा रहा है। फ्रांस से यह सिलसिला शुरू हुआ था, जो पिछले साल इटली तक जारी रहा। इटली में विशेष सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सामाजिक असमानता को दूर करने और सभी के सहज उपलब्ध व सुरक्षित ।प् जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की थी। भारत इस मंच का इस्तेमाल शांति, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वित विकास का संदेश देने के लिए करता रहा है।चरमपंथियों का दबावरू ळ7, सात सबसे विकसित और औद्योगिक देशों का समूह है, लेकिन जिस तरह से कनाडा में बसे खालिस्तान समर्थकों ने इस बार अपना असर इस पर छोड़ा है, वह चिंता का सबब है। आयोजन की मेजबानी कनाडा के पास है, लेकिन अलगाववादियों ने वहां की नई सरकार पर दबाव बनाया था कि भारत को आमंत्रित न किया जाए। मार्क कार्नी का इस मामले में झुक जाना चरमपंथी ताकतों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के लिए बड़ा झटका है। क्या भारत के बिना यह ग्रुप चीन की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता, लोकतंत्र और पर्यावरण के मुद्दे पर टिका रह पाएगा?उम्मीदों को झटकारू मार्क कार्नी का कार्यकाल इस उम्मीद के साथ शुरू हुआ था कि भारत और कनाडा के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघल सकती है। अपने पूर्ववर्ती जस्टिन ट्रूडो के मुकाबले उन्होंने ज्यादा जिम्मेदार और सकारात्मक रवैया दिखाया था। चुनावी अभियान के दौरान उन्होंने माना था कि दोनों देशों के संबंध कई स्तरों पर महत्वपूर्ण हैं और समान विचारधारा वाले देशों के साथ व्यापारिक संबंधों में विविधता लाने की बात कही थी। पिछले हफ्ते जब विदेश मंत्री जयशंकर ने कनाडा की समकक्ष मंत्री अनीता आनंद से बात की, तो उसे भी अहम बदलाव माना गया था।हितों के खिलाफरू ळ7 सम्मेलन कनाडा के लिए मौका था, जहां वह भारत के साथ संबंधों को सुधारने की शुरुआत कर सकता था। अमेरिका की तरफ से पड़ रहे प्रेशर को देखते हुए उसे नई दिल्ली के जैसे सहयोगियों की जरूरत है। लेकिन, घरेलू राजनीति से मजबूर कनाडा ने द्विपक्षीय रिश्तों ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय हितों को भी चोट पहुंचाई है।

भारत की भलाई की जानबूझकर अनदेखी, देश हित पर भारी पड़ रहे दलगत स्वार्थ

आखिरकार शशि थरूर के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने और आपरेशन सिंदूर का औचित्य बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल अपने एक और नेता सलमान खुर्शीद पर भी हमला बोल दिया। जैसे थरूर ने ऐसे नेताओं का नाम न लेते हुए उन्हें जवाब दिया, वैसे ही खुर्शीद ने भी।इसी के साथ उन्होंने अपनी पीड़ा बयान करते हुए यह प्रश्न भी किया कि क्या देशभक्त होना इतना कठिन है? यह केवल एक प्रश्न नहीं, पीड़ा भी है। इस पीड़ा का अनुभव कांग्रेसजन भी कर रहे होंगे, लेकिन वे कुछ कह नहीं सकते, क्योंकि उन्हें भी पता है कि थरूर और खुर्शीद पर हमले पार्टी नेतृत्व के करीबी कर रहे हैं।थरूर और गांधी परिवार के रिश्ते शायद तबसे ठीक नहीं चल रहे, जबसे उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे के विरुद्ध अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा। राहुल गांधी के अति विश्वासपात्र जयराम रमेश ने उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था, 'कांग्रेस में होने और कांग्रेस का होने में' फर्क होता है। लोकसभा चुनाव का टिकट न मिलने पर पाला बदलने और अब खुद को कांग्रेस का सिपाही कहने वाले उदितराज की समझ से थरूर भाजपा के सुपर प्रवक्ता बन गए हैं।अतीत में नरेन्द्र मोदी और शशि थरूर एक–दूसरे की आलोचना कर चुके हैं। बाद में कुछ मौकों पर दोनों ने एक–दूसरे की प्रशंसा भी की। थरूर ने आपरेशन सिंदूर को भारत की उचित प्रतिक्रिया बताते हुए ट्रंप पर भी निशाना साधा। थरूर के विपरीत सलमान खुर्शीद गांधी परिवार के करीबी माने जाते हैं। वह पहले भी भाजपा के आलोचक रहे हैं और अब भी हैं।उन्होंने कहा भी, 'क्या यहां मैं सरकार का विरोध करने आया हूं? यदि ऐसा करना होगा तो भारत जाकर करूंगा। यहां तो मैं भारत के पक्ष में बोलने आया हूं।' यह वही खुर्शीद हैं, जिन्होंने अपनी किताब में लिखा था कि हिंदुत्व इस्लामिक स्टेट और बोको हराम जैसा है। तब उनकी आलोचना इसी स्तंभ में की गई थी। खुर्शीद पर इसलिए निशाना साधा गया, क्योंकि इंडोनेशिया में उन्होंने जम्मू–कश्मीर से अनु. 370 हटाने को सही बताया। ध्यान दें कि इस अनुच्छेद को हटाने के फैसले का समर्थन करने वाले कांग्रेस के कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। यह राहुल गांधी और उनके करीबी ही बता सकते हैं कि थरूर के साथ खुर्शीद को निशाने पर लेने से कांग्रेस या फिर देश के कौन से हित सध रहे हैं, क्योंकि आम लोगों के लिए इसे समझना कठिन है। क्या कांग्रेस नेतृत्व यह बुनियादी बात भी नहीं समझता कि मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार और भारत में अंतर है?आम तौर पर अपने ही नेता की आलोचना गुटबाजी, उसके बढ़ते कद या फिर नेतृत्व की उससे नाराजगी के चलते की जाती है। सलमान खुर्शीद कांग्रेस के ऐसे नेता नहीं हैं, लेकिन उन्हें भी नहीं बख्शा गया। अपने देश में दूसरे दलों और उनके नेताओं पर सही–गलत आरोप लगाने में कोई समस्या नहीं होती, लेकिन इसका भी एक समय होता है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद निशिकांत दुबे विश्व में भारत की बात कहने से ज्यादा जोर एक्स पोस्ट के जरिये कांग्रेस पर हमला करने में दे रहे हैं।हैरानी है कि सरकार और भाजपा की ओर से कोई उनसे यह क्यों नहीं कह रहा कि दुबे जी, जरा थम जाएं, देश लौटकर कांग्रेस का कच्चा–चिट्ठा खोलिएगा और अभी उस पर ध्यान दें, जिसके लिए विदेश गए हैं। हर राजनीतिक दल और नेता के अपने–अपने राजनीतिक हित होते हैं और वे अपने वोट बैंक की अतिरिक्त चिंता करते हैं। इसमें हर्ज नहीं, लेकिन कभी–कभी ऐसे अवसर आते हैं, जब देश हित को ही सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। इसका परिचय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल कई विपक्षी नेता शानदार तरीके से दे रहे हैं।स्पेन गए हमारे नेता वहां जब भारतीय समुदाय से मिले तो किसी ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं कनीमोरी से पूछा–भारत की राष्ट्रीय भाषा क्या है? उनका जवाब था–एकता में अनेकता हमारी राष्ट्रीय भाषा है। प्रश्न पूछने वाले की बोलती बंद हो गई और शेष लोगों ने करतल ध्वनि की। इस पर विशेष रूप से गौर करें कि कनीमोरी उस डीएमके की सांसद हैं, जो यह थोथा प्रचार कर रही है कि मोदी सरकार तमिल भाषा पर हिंदी थोप रही है।बहरीन में असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान को खूब धोया और पाकिस्तानियों को उनकी बात अच्छे से समझ आ जाए, इसलिए कुछ शब्द उर्दू में भी बोले। विपक्ष में मोदी सरकार का उनसे बड़ा कट्टर आलोचक शायद ही कोई हो, लेकिन वह पाकिस्तान को जैसी खरी–खोटी सुना रहे हैं, उससे उनके समर्थक भी हैरान हो सकते हैं। उन्होंने साफ कहा था कि पहलगाम में लोगों को उनका मजहब पूछकर मारा गया। कई तथाकथित सेक्युलर नेता ऐसा कहने–मानने में लजा गए थे। एक कांग्रेस नेता ने तो कहा था कि भला आतंकियों के पास इतनी फुर्सत कहां थी कि वे लोगों को मारने से पहले उनका मजहब पूछते।निःसंदेह पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा में कमी–अनदेखी पर सवाल पूछे ही जाने चाहिए, लेकिन इस अंदाज में नहीं कि वे पाकिस्तान के टीवी चौनलों पर चलने लगें और वहां की सेना और सरकार को इन सवालों के सहारे यह शोशा छोड़ने में आसानी होने लगे कि पहलगाम में आतंकी हमला तो भारत ने खुद कराया था।